## शहतुत पौधा मे हानिकारक कीट के प्रोकोप का पूर्व सूचना एवां नियन्त्रण

थ्रिप्स

सादा मक्खी

विहारी सूआ लार्वा

मिलिवाग

| क्रमांक | फसल/बन्द का नाम | मुख्य कीड़ा का नाम | निराकरण व निदान / नियन्त्रण | कीड़ा को पत्ता खिलाने की सुरक्षित समय | प्रति एकड़ मे घोल का जरुरत |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | वैशाखी फसल | थ्रिप्स | 10 लीटर पानी मे 33 मी. ली. रोगर मिलाकर घोल तैयार कर 27-28 फाल्गुन महीना मे छिड़ूकाव करना है। | अन्तिम छिड़ूकाव करने के 14 दिन वाद पत्ता खिलाया जा सकता है | 200 से 250 लीटर |
| 2. | श्रवणी | मिलिवाग<br><br>थ्रिप्स | 10 लीटर पानी मे 33 मी. ली. रोगर मिलाकर घोल तैयार कर 27-28 फाल्गुन महीना मे छिड़ूकाव करना है<br>प्रथम छिड़ूकावः 5 जेष्ट मे<br>दूसरा छिड़ूकावः 20 से 21 जेष्ट मे | | तथैव |
| 3. | अश्वीना | विहारी सूआ लार्वा<br><br>सादा मक्खी | 10 लीटर पानी मे 13 मी.ली. नूभान मिलाकार घोल तयैार कर 27-28 फाल्गुन महीना मे छिड़ूकाव करना है।<br>प्रथम छिड़ूकावः 17 श्रावण मे<br>दूसरा छिड़ूकावः 27 से 28 श्रावण मे | | तथैव |
| 4. | अग्रहनी | सादा मक्खी | 10 लीटकावः 14 से 16 आश्विन मे<br>दूसरा छिड़ूकावः 26 से 28 आश्विन मे | | |
| 5. | फाल्गुनी फसल | -- | समान्यतः हानिकारक कीट का प्रकोप नही रहता है | | तथैव |

प्रकाशना : ड. कनिका त्रिवेदी, निदेशक, केन्द्रीव रेशम उत्पादन, अनुसन्धान व प्रशिक्षण संस्थान, बहरमपुर, मुर्शिदावाद, प. व.

Printed by : u_nimage@yahoo.com

Pamphlet No. 28 © CSR&TI, Berhampore February 2016

# शहतुत पौधा मे होनावाले मुख्य रोग एवं कीट का पूर्व सूचना एवं निदान तथा सावधानी विवरणी

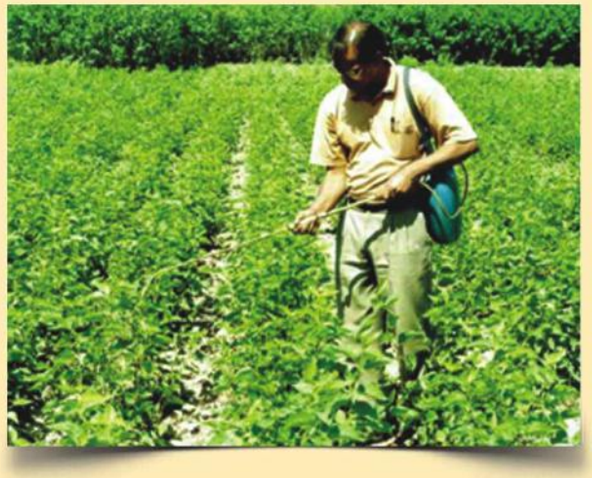

ड. दीपेश पन्डित
डॉ एस के मुखोपाध्यय
डॉ एस के दत्ता

अनुसंधान प्रसार केन्द्र, महेश्पुर राज
केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
केन्द्रीव रेशम वोर्ड, वस्त्र मन्त्रालर्य, भारत सरकार
वहरमपुर -742101, पश्चिम वंगाल

ब्लाक लीफ स्पट

बैकटेरियाल लीफ स्पट

ब्राउन लीफ स्पट

लीप रास्ट

पाउडरी मिलद्यु

रूट नट निमाटोड

| क्रमांक | फसल/बन्द | मुख्य रोग का नाम | निराकरण व निदान | कीड़ा को पत्ता खिलाने की सुरक्षितत समय | प्रति एकड़ मे घोल का जरुरत |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | वैशाखी फसल | ब्लाक लीफ स्पट [(पत्ता में काला दाग (छत्राक द्वारा)] | 0.1% कार्वनडाजिम (वेभिस्टीन) : 20 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी मे मिलाकर चैन महिना के द्वितीय सप्ताह मे छिड्काव करना है। | 7 दिन | 200 से 250 लीटर |
| 2. | श्रावणी फसल | बैकटेरिवाल लीफ स्पट [(पत्ता में दाग (जीवाणु द्वारा)] | 0.1% कृषिज जीवाणु नाशक (प्लान्टोमाईसिन) 10 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी मे मिलाकर जेष्ट महिना के तिसरे सप्ताह मे छिड्काव करना है। | 7 दिन | तथैव |
| 3. | आश्ववीनी फसल | बैकटेरियाल लीफ स्पट [(पता में दाना (जीवाणु द्वारा)] | 0.1% कृषिज जीवाणु नाशक (प्लान्टोमाईसिन) 10 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी मे मिलाकर श्रावण महिना के तिसरे सप्ताह मे छिड्काव करना है। | 7 दिन | तथैव |
| 4. | अग्रहनी फसल | पाउडरी मिलद्यु | 0.1% कार्वनडाजिम (वेभिस्टीन) : 20 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी मे मिलाकर कार्तिक महिना के तिसरे सप्ताह मे छिड्काव करना है। | 7 दिन | तथैव |
| | | बैकटेरियाल लीफ स्पट [(पता में दाग (जीवाणु द्वारा)] | 0.1% कृषिज जीवाणु नाशक (प्लान्टोमाईसिन) 10 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी मे मिलाकर कार्तिक महिना के तिसरे सप्ताह मे छिड्काव करना है। | 7 दिन | तथैव |
| | | ब्राउन लीफ स्पट [(पता मे दाग (जीवाणु द्वारा)] | 0.2% सालफेक्स 25 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी मे मिलाकर कार्तिक महिना के तिसरे सप्ताह मे छिड्काव करना है। | 20 दिन | तथैव |
| 5. | फाल्गुनी फसल | पाउडारी मिलद्यु लीफ रास्ट [(पता में जंग लगने जैसा दाग (छत्राक)] | 0.2% सालफेक्स 25 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी मे मिलाकर कार्तिक महिना के तिसरे सप्ताहमे छिड्काव करना है। | 7 दिन | तथैव |
| 6. | फसलवार मौसम के अतिरिक्त | रुट नट जिमाटोड [(जड़ मे होने वाले कृमि जनित रोग)] | प्रति बिघा 130 की. ग्रा. नीम की खल्ली को समान चार भाग कर प्रति तीन माह अन्तर दे कर सिचाई करना है। अत्यधिक रोग होने पर 4 की. ग्रा. कार्वोफिउरान समान चार भाग कर प्रति तीन माह मे अन्तर दे कर सिचाई करना है। | | |